



TEST -17 (History+Art & Culture) Answers Key

प्रश्न 1. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** कथन 1 और 2 सही हैं। चैत्य बौद्ध प्रार्थना कक्ष होते हैं जिनके केंद्र में एक स्तूप होता है, जबकि विहार भिक्षुओं के रहने के कमरे (मठ) होते हैं। कार्ल और भाजा जैसे शुरुआती चैत्यों में लकड़ी की वास्तुकला की नकल पत्थर में की गई है।
- **तथ्य जाँच:** कथन 3 गलत है क्योंकि एलोरा की गुफाओं में भी चैत्य पाए जाते हैं (जैसे गुफा संख्या 10, जिसे 'विश्वकर्मा गुफा' कहा जाता है)।

प्रश्न 2. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** द्रविड़ शैली में विमान मुख्य मंदिर के ऊपर की बहुमंजिला मीनार है। गोपुरम विशाल प्रवेश द्वार हैं। शिखर (या स्तूपिका) मंदिर के सबसे ऊपरी हिस्से को कहते हैं, जो नागर शैली के 'शिखर' से अलग होता है।

प्रश्न 3. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** कथन D असत्य है। अजंता की गुफाएं अर्ध-वृत्ताकार (Horseshoe shape) में व्यवस्थित हैं, जबकि एलोरा की गुफाएं एक विशाल क्षेत्र में बिखरी हुई हैं और वे अर्ध-वृत्ताकार नहीं हैं।

प्रश्न 4. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** वेसर शैली नागर (उत्तर भारतीय) और द्रविड़ (दक्षिण भारतीय) शैलियों का मिश्रण है। इसे 'चालुक्य शैली' या 'कर्नाटक शैली' भी कहा जाता है क्योंकि इसका विकास विंध्य और कृष्णा नदी के बीच हुआ था। होयसल मंदिर (हलेबिड और बेलूर) इसके सर्वोत्तम उदाहरण हैं।

प्रश्न 5. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** सभी कथन सही हैं। मेथी आधार चबूतरा है, हर्मिका वह रेलिंगनुमा हिस्सा है जो पवित्रता का प्रतीक है, और छत्र (तीन छतरियां) बुद्ध के उच्च स्थान को दर्शाते हैं।

प्रश्न 6. उत्तर: (B)

- **व्याख्या:** नागर शैली में पंचायतन का अर्थ है 'पाँच मंदिरों का समूह'। इसमें एक मुख्य मंदिर केंद्र में होता है और चार छोटे मंदिर चारों कोनों पर स्थित होते हैं। (उदाहरण: खजुराहो का लक्ष्मण मंदिर, देवगढ़ का दशावतार मंदिर)।

प्रश्न 7. उत्तर: (C)

- **व्याख्या:** पहले तीन युग सही हैं।
- **तथ्य जाँच:** चौथा युग गलत है क्योंकि लाल बलुआ पत्थर का व्यापक प्रयोग अकबर के काल की विशेषता है, जबकि शाहजहाँ ने 'सफेद संगमरमर' के उपयोग को प्राथमिकता दी थी।

प्रश्न 8. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** शाहजहाँ का काल मुगल वास्तुकला का चरम बिंदु था। उसने संगमरमर और 'पच्चीकारी' (Pietra Dura - कीमती पत्थरों को संगमरमर में जड़ना) का उपयोग कर स्थापत्य को अधिक अलंकृत और सुंदर बनाया, इसलिए इसे 'स्वर्ण युग' कहा जाता है।

प्रश्न 9. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** सभी कथन सही हैं। आगरा के किले का निर्माण मुख्य रूप से अकबर ने करवाया था। दिल्ली की जामा मस्जिद मुगल मस्जिद शैली का सबसे बड़ा रूप है। लाहौर की बादशाही मस्जिद और गजेब के काल का अंतिम महत्वपूर्ण स्मारक मानी जाती है।

प्रश्न 10. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** इंडो-सैरसेनिक शैली अंग्रेजों द्वारा 19वीं सदी के अंत में विकसित की गई थी। इसमें मुगल गुंबदों और मेहराबों को यूरोपीय गॉथिक शैली के साथ जोड़ा गया। मद्रास हाई कोर्ट और मुंबई का CST (विक्टोरिया टर्मिनस) इसके बेहतरीन उदाहरण हैं।

प्रश्न 11. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** * विक्टोरिया मेमोरियल: पुनर्जागरण काल और मुगल शैली (विशेषकर इसके गुंबद) का मिश्रण है।
- **राष्ट्रपति भवन:** एडविन लुटियंस द्वारा निर्मित, जो शास्त्रीय यूरोपीय और भारतीय तत्वों का मेल है।
- **गेटवे ऑफ इंडिया:** जॉर्ज विटेट द्वारा 'इंडो-सैरसेनिक' शैली में

बनाया गया।

- **बॉम्बे यूनिवर्सिटी:** यह 'नव-गॉथिक' शैली का उत्कृष्ट उदाहरण है।

प्रश्न 12. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** लुटियंस दिल्ली की वास्तुकला में जानबूझकर भारतीय तत्वों को शामिल किया गया था ताकि औपनिवेशिक शासन को भारतीय विरासत से जोड़कर वैधता प्रदान की जा सके। राष्ट्रपति भवन का गुंबद स्पष्ट रूप से सांची के स्तूप से प्रेरित है।

प्रश्न 13. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** तीनों कथन सही हैं। गांधार में ग्रीक प्रभाव है, मथुरा पूर्णतः स्वदेशी है और अमरावती सफेद चूना पत्थर की पट्टियों पर कथाओं के अंकन (Narrative art) के लिए प्रसिद्ध है।

प्रश्न 14. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** चोल कांस्य मूर्तियाँ 'लॉस्ट वैक्स' (Cire Perdue) तकनीक से बनी हैं। नटराज की प्रतिमा में शिव का दाहिना हाथ अभय मुद्रा में है।
- **तथ्य जाँच:** कथन 3 गलत है क्योंकि चोल काल में केवल देवताओं की ही नहीं, बल्कि राजाओं और रानियों (जैसे राजराजा चोल और उनकी पत्नी) की भी कांस्य मूर्तियाँ बनाई गई थीं।

प्रश्न 15. उत्तर: (C)

- **व्याख्या:** कथन (A) सही है, गुप्त काल में मूर्तियों में कपड़ों की बारीक बनावट (जैसे सारनाथ बुद्ध) और आध्यात्मिकता पर जोर दिया गया।
- **तथ्य जाँच:** कारण (R) गलत है क्योंकि गुप्त काल में बौद्ध धर्म के साथ-साथ हिंदू धर्म (विष्णु, शिव, दुर्गा की मूर्तियाँ) और जैन धर्म की मूर्तिकला का भी अभूतपूर्व विकास हुआ (जैसे उदयगिरि की वराह प्रतिमा)।

प्रश्न 16. उत्तर: (C)

- **व्याख्या:** भीमबेटका में गेरू और प्राकृतिक रंगों का प्रयोग हुआ है। मध्यपाषाण काल के चित्र छोटे (Micro) और अधिक जटिल हैं।
- **तथ्य जाँच:** कथन 2 गलत है क्योंकि इन चित्रों में शिकार के अलावा नृत्य, संगीत, जन्म, मृत्यु और सांप्रदायिक भोजन जैसे सामाजिक दृश्यों का भी व्यापक अंकन है।

प्रश्न 17. उत्तर: (B)

- **व्याख्या:** कथन 1 और 3 सही हैं। अजंता की चित्रकला 'फ्रेस्को-सेको' है। रेखाओं का लयबद्ध होना इसकी सबसे बड़ी विशेषता है।
- **तथ्य जाँच:** कथन 2 गलत है क्योंकि नीला रंग (Lapis Lazuli) अफगानिस्तान से आयात किया जाता था, न कि स्थानीय रूप से प्राप्त होता था।

प्रश्न 18. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** अजंता के चित्र केवल बौद्ध धर्म ही नहीं, बल्कि उस समय के संपूर्ण समाज का आईना हैं। गुफा संख्या 1 के चित्रों में फारसी दूतों का स्वागत करते हुए राजा को दिखाया गया है, जो अंतरराष्ट्रीय संबंधों को दर्शाता है।

प्रश्न 19. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** * पद्मपाणि बोधिसत्व: शांति और करुणा (हाथ में कमल)।
- **मरणासन्न राजकुमारी:** बुद्ध के गृह-त्याग के बाद उनकी पत्नी यशोधरा या सुंदरी के दुख का चित्रण।
- **महापरिनिर्वाण:** लेटे हुए बुद्ध की विशाल प्रतिमा (गुफा संख्या 26)।

प्रश्न 20. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** वी.एस. वाकणकर ने 1957 में भीमबेटका की खोज की थी। लखुडियार के चित्र सामूहिक नृत्य दिखाते हैं।
- **तथ्य जाँच:** कथन 3 गलत है क्योंकि दक्षिण भारत के शैल चित्रों में शिकार के दृश्यों के साथ-साथ अन्य विविध गतिविधियों का भी चित्रण है, वे केवल चरवाहा समुदायों तक सीमित नहीं हैं।

प्रश्न 21. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** तीनों कथन सही हैं। मुगल शैली दरबारी शान-ओ-शौकत और ऐतिहासिक घटनाओं पर केंद्रित थी। राजस्थानी शैली में भक्ति का पुट अधिक था। बणी-ठणी (किशनगढ़) अपनी लंबी गर्दन और कजरारी आँखों के लिए प्रसिद्ध है।



Vedanta IAS Academy

India's No.1 Institute For UPSC Exam

प्रश्न 22. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** कथन 1 और 2 सही हैं। बसोली सबसे पुरानी पहाड़ी शैली है जो अपने गहरे रंगों के लिए प्रसिद्ध है। कांगड़ा में रेखाएं बहुत कोमल हैं।
- **तथ्य जाँच:** कथन 3 गलत है। राजा संसार चंद कांगड़ा शैली के सबसे बड़े संरक्षक थे, न कि बसोली के।

प्रश्न 23. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** * कथकली: चेहरे के रंगों (हरा-नायक, लाल-खलनायक) के माध्यम से बुराई पर अच्छाई की जीत दिखाता है।
- **भरतनाट्यम:** इसमें प्रायः एक ही नर्तक कई पात्रों का अभिनय करता है (एकचर्य)।
- **सत्रिया:** महापुरुष शंकरदेव द्वारा शुरू किया गया, जिसमें भोरगीत और अष्टपदी का प्रयोग होता है।
- **कुचिपुड़ी:** इसमें नर्तक पीतल की थाली के किनारों पर पैर रखकर संतुलन बनाते हुए नृत्य करता है (तरंगम)।

प्रश्न 24. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** बंगाल स्कूल ने ब्रिटिश 'एकेडमिक रियलिज्म' को नकारते हुए भारतीयता को अपनाया। अवनिंद्रनाथ टैगोर ने जापानी कलाकारों से वाँश तकनीक सीखी, जिससे चित्रों में एक रहस्यमयी कोमलता आती थी।

प्रश्न 25. उत्तर: (B)

- **व्याख्या:** केवल दो युग्म (1 और 3) सही हैं।
- **तथ्य जाँच:** * छऊ: यह केवल पश्चिम बंगाल नहीं, बल्कि झारखंड और ओडिशा में भी प्रचलित है।
- **सत्रिया:** यह मणिपुर का नहीं, बल्कि असम का 'शास्त्रीय नृत्य' है।

प्रश्न 26. उत्तर: (C)

- **व्याख्या:** कथन 1 और 3 सही हैं। हिंदुस्तानी संगीत में समय सिद्धांत (जैसे भौरवी सुबह का राग है) बहुत महत्वपूर्ण है।
- **तथ्य जाँच:** कथन 2 गलत है। घरानों की परंपरा हिंदुस्तानी संगीत की अनिवार्य विशेषता है, जबकि कर्नाटक संगीत में घरानों के बजाय रचनाकारों (जैसे त्यागराज) की परंपरा चलती है।

प्रश्न 27. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** यह प्राचीन वर्गीकरण (भरत मुनि के नाट्यशास्त्र के अनुसार) है:
- **तंत्रा (Chordophones):** तार वाले यंत्र।
- **सुषिर (Aerophones):** हवा/फूँक वाले यंत्र।
- **अवनद्ध (Membranophones):** खाल से मढ़े यंत्र।
- **घन (Idiophones):** धातु के ठोस यंत्र।

प्रश्न 28. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** तीनों कथन सही हैं। कुटियाट्टम दुनिया के सबसे पुराने जीवित थिएटर रूपों में से एक है। यक्षगान कर्नाटक की शान है और तमाशा महाराष्ट्र का जीवंत लोक नाट्य है।

प्रश्न 29. उत्तर: (B)

- **व्याख्या:** केवल दो युग्म (1 और 3) सही हैं।
- **तथ्य जाँच:** रावणछाया (ओडिशा) एक छाया (Shadow) कठपुतली है, दस्ताना (Glove) नहीं। दस्ताना कठपुतली का प्रसिद्ध उदाहरण केरल का 'पावाकुथु' है।

प्रश्न 30. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** कथन 1, 2 और 3 सही हैं। थेरीगाथा महिलाओं द्वारा रचित साहित्य का सबसे पुराना उदाहरण है।
- **तथ्य जाँच:** वर्तमान में भारत में 11 भाषाओं (तमिल, संस्कृत, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम ओडिया, मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली) को ही आधिकारिक रूप से शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त है।

प्रश्न 31. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** चारों युग्म सही सुमेलित हैं।
- **सांख्य:** सबसे पुराना दर्शन, जो प्रकृति और पुरुष के अलग-अलग पर जोर देता है।
- **न्याय:** तर्क और तर्कशास्त्र का उपयोग करता है।
- **वैशेषिक:** भौतिक दुनिया के निर्माण में 'कण' (Atoms) की भूमिका की व्याख्या करता है।
- **उत्तर मीमांसा:** उपनिषदों पर आधारित ज्ञान मार्ग, जिसे वेदांत कहा

जाता है।

प्रश्न 32. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** तीनों कथन सही हैं।
- **अनेकांतवाद:** जैन धर्म का सिद्धांत है कि सत्य के कई पहलू होते हैं।
- **प्रतीत्यसमुत्पाद:** बौद्ध धर्म का 'कारणता का नियम' है (एक वस्तु के होने से दूसरी होती है)।
- **आत्मा पर विचार:** बुद्ध ने 'अनात्मवाद' (कोई स्थायी आत्मा नहीं) दिया, जबकि जैन धर्म मानता है कि पत्थर और जल में भी जीव है।

प्रश्न 33. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** ये भक्ति आंदोलन के मुख्य दार्शनिक आधार हैं:
- **अद्वैत (शंकराचार्य):** "अहं ब्रह्मास्मि" (मैं ही ब्रह्म हूँ)।
- **विशिष्टाद्वैत (रामानुज):** ब्रह्म श्रेष्ठ है, लेकिन जीव और जगत भी सत्य हैं।
- **द्वैत (माध्वाचार्य):** ईश्वर और आत्मा पूरी तरह से अलग और स्वतंत्र हैं।

प्रश्न 34. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** भक्ति और सूफी संतों ने कट्टरपंथ के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने संस्कृत या अरबी के बजाय स्थानीय भाषाओं (जैसे कबीर की सधुक्कड़ी, मीरा के पद) का उपयोग किया, जिससे ये आंदोलन आम जनता तक पहुँचे और आपसी सद्भाव बढ़ा।

प्रश्न 35. उत्तर: (C)

- **व्याख्या:** तीनों सुमेलित हैं।
- **चिश्ती:** सबसे उदार और लोकप्रिय (समा/संगीत का प्रयोग)।
- **सुहरावर्दी:** ये लोग गरीबी के बजाय शासन के साथ जुड़कर रहने में विश्वास करते थे।
- **नक्शबंदी:** औरंगजेब इसी सिलसिले का अनुयायी था, जो काफी सख्त था।

प्रश्न 36. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** तीनों कथन सही हैं।
- **मधुबनी:** द्वि-आयामी (2D) पेंटिंग है।
- **कलमकारी:** इसके दो प्रकार हैं - श्रीकालाहस्ती (धार्मिक) और मसूलीपट्टनम (डिजाइन)।
- **पट्टचित्र:** यह अपनी सुक्ष्म नक्काशी और चटकीले रंगों के लिए प्रसिद्ध है।

प्रश्न 37. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** कथन 1 और 2 सही हैं। वारली कला ग्रामीण जीवन (फसल कटाई, विवाह, नृत्य) को दर्शाती है।
- **तथ्य जाँच:** कथन 3 गलत है। वारली कला का केंद्र प्रकृति (पेड़, जानवर, सूर्य, चंद्रमा) है, न कि पौराणिक देवी-देवता। यह कला दर्शाती है कि मनुष्य प्रकृति के साथ कैसे सामंजस्य बिठाता है।

प्रश्न 38. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** * ब्लू पॉटरी: जयपुर (सवाई राम सिंह के समय विकास)।
- **कलमकारी:** मसूलीपट्टनम।
- **रुमाल कढ़ाई:** चंबा (हिमाचल), जिसे जीआई टैग (GI Tag) प्राप्त है।
- **मिरर वर्क:** कच्छ (गुजरात)।

प्रश्न 39. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** चारों युग्म सही सुमेलित हैं।
- **होर्नबिल:** इसे 'त्योहारों का त्योहार' कहा जाता है।
- **नुआखाई:** 'नुआ' का अर्थ नया और 'खाई' का अर्थ भोजन (नया चावल)।
- **चपचार कुट:** मिजोरम का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है।

प्रश्न 40. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** कुंभ मेला (प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक, उज्जैन) केवल एक स्नान उत्सव नहीं है, बल्कि यह संतों और दार्शनिकों के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान का वैश्विक मंच है। इसकी अद्वितीय सांस्कृतिक प्रकृति के कारण यूनेस्को ने इसे अमूर्त विरासत माना है।

प्रश्न 41. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** कथन 1 और 2 सही हैं। 1833 के एक्ट ने केंद्रीकरण किया और 1861 के एक्ट ने लॉर्ड कैनिंग की 'विभागीय प्रणाली' को मान्यता दी।
- **तथ्य जाँच:** कथन 3 गलत है क्योंकि 1919 के अधिनियम ने प्रांतों में द्वैध शासन लागू किया था, न कि केंद्र में। केंद्र में द्वैध शासन 1935 के



Vedanta IAS Academy

India's No.1 Institute For UPSC Exam

अधिनियम द्वारा प्रस्तावित किया गया था।

प्रश्न 42. उत्तर: (B)

- **व्याख्या:** केवल दो युग्म (1 और 2) सही हैं।
- **तथ्य जाँच:** तीसरा युग्म गलत है। धर्म सभा (राधाकांत देव) एक रूढ़िवादी संस्था थी जिसने सती प्रथा के उन्मूलन का विरोध किया था, क्योंकि वे इसे हिंदू धर्म में हस्तक्षेप मानते थे।

प्रश्न 43. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** तीनों कथन सही हैं। कॉर्नवालिस को 'भारत में सिविल सेवा का जनक' कहा जाता है। 1853 के चार्टर ने पहली बार खुली प्रतियोगिता परीक्षा (Macaulay Committee) की नींव रखी।

प्रश्न 44. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** इन आंदोलनों (जैसे ब्रह्म समाज, प्रार्थना समाज) ने भारतीयों को मानसिक गुलामी से मुक्त किया और तर्क के आधार पर अपनी संस्कृति का पुनर्मूल्यांकन करना सिखाया, जिससे अंततः राष्ट्रवाद का जन्म हुआ।

प्रश्न 45. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** चारों विकल्प सही सुमेलित हैं।
- **अलीगढ़:** आधुनिकतावादी।
- **अहमदिया:** सर्वधर्म सद्भाव।
- **फरायजी:** किसान सुधार।
- **वहाबी:** पुनरुद्धारवादी।

प्रश्न 46. उत्तर: (B)

- **व्याख्या:** कथन 2 और 3 सही हैं।
- **तथ्य जाँच:** कथन 1 गलत है क्योंकि सगुण संप्रदाय ईश्वर के साकार रूप (मूर्ति, अवतार) की पूजा करता है, जबकि निर्गुण संप्रदाय निराकार की।

प्रश्न 47. उत्तर: (C)

- **व्याख्या:** केवल तीन युग्म (1, 2 और 4) सही हैं।
- **तथ्य जाँच:** मलफूजात सूफ़ी संतों की दार्शनिक पुस्तकें नहीं, बल्कि उनके कथनों/संवादों का संकलन (जैसे निज़ामुद्दीन औलिया के कथनों का संकलन 'फवाइद-उल-फुअद') होता है।

प्रश्न 48. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** कथन 1, 2 और 3 सही हैं। नलयाइरा दिव्य प्रबंधम को 'द्रविड वेद' कहा जाता है।
- **तथ्य जाँच:** कथन 4 गलत है क्योंकि इन आंदोलनों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी थी (जैसे नयनार संतों में करेकाल अम्मेयार और आलवार संतों में आंडाल)।

प्रश्न 49. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** विश्वासी संतों (जैसे बाबा फरीद, निज़ामुद्दीन औलिया) ने हमेशा सुल्तानों से दूरी बनाए रखी। औलिया का प्रसिद्ध कथन "मेरे घर के दो दरवाजे हैं, यदि सुल्तान एक से आएगा तो मैं दूसरे से निकल जाऊंगा" इसी दर्शन को दर्शाता है।

प्रश्न 50. उत्तर: (B)

- **व्याख्या:** कथन 1 और 2 सही हैं।
- **तथ्य जाँच:** कथन 3 गलत है क्योंकि वारकरी संप्रदाय अत्यधिक समतावादी (Egalitarian) था। इसने जाति और लिंग के भेदभाव को नकारा और समाज के सभी वर्गों के लिए भक्ति का मार्ग प्रशस्त किया।

प्रश्न 51. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** कथन 1 और 2 सही हैं।
- **तथ्य जाँच:** कथन 3 गलत है। पानीपत के तीसरे युद्ध ने यह निश्चित नहीं किया कि भारत पर राज कौन करेगा, बल्कि यह निश्चित कर दिया कि भारत पर राज कौन नहीं करेगा (यानी मराठा)। इसके बाद अंग्रेजों के लिए मार्ग प्रशस्त हुआ।

प्रश्न 52. उत्तर: (C)

- **व्याख्या:** तीनों कथन सही हैं। पुर्तगालियों ने समुद्र पर वर्चस्व के लिए कार्टाज (पास) व्यवस्था लागू की थी। फ्रांसीसी कंपनी सरकारी होने के कारण निर्णय लेने में देरी करती थी, जो उनकी हार का बड़ा कारण बना।

प्रश्न 53. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** बक्सर के युद्ध (1764) के बाद इलाहाबाद की संधि हुई।
- **तथ्य जाँच:** कथन 3 गलत है। मुहम्मद रज़ा खान को बंगाल का नायब-

नाजिम नियुक्त किया गया था, न कि अवध के नवाब को।

प्रश्न 54. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** लॉर्ड वेलेजली की इस नीति ने भारतीय राज्यों को खोखला कर दिया। हैदराबाद (1798) ने इसे सबसे पहले स्वीकार किया। इसके तहत राज्य की विदेश नीति अंग्रेजों के अधीन हो जाती थी।

प्रश्न 55. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** 1773 का रेगुलेटिंग एक्ट इसलिए लाया गया क्योंकि कंपनी के भ्रष्टाचार और बंगाल के अकाल ने कंपनी की वित्तीय स्थिति खराब कर दी थी और ब्रिटिश संसद अब कंपनी के प्रशासन पर नियंत्रण चाहती थी।

प्रश्न 56. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** वारेन हेस्टिंग्स ने 1772 में क्लाइव द्वारा शुरू किए गए द्वैध शासन (Dual Government) को समाप्त किया। उन्होंने राजस्व सुधारों के लिए इजारेदारी प्रथा शुरू की (5 साल के लिए ठेका)। न्याय के क्षेत्र में उन्होंने जिला स्तर पर अदालतों का ढांचा तैयार किया।

प्रश्न 57. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** पिट्स इंडिया एक्ट ने कंपनी के कार्यों को दो भागों में बांटा:
- **बोर्ड ऑफ कंट्रोल (BOC):** राजनीतिक और सैन्य मामलों के लिए (ब्रिटिश सरकार का नियंत्रण)।
- **कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स (COD):** व्यापारिक मामलों के लिए।
- गवर्नर जनरल की परिषद की सदस्य संख्या 4 से घटाकर 3 कर दी गई ताकि निर्णय लेना आसान हो।

प्रश्न 58. उत्तर: (C)

- **व्याख्या:** कथन 1 और 2 सही हैं। 1793 में कॉर्नवालिस ने इसे लागू किया।
- **तथ्य जाँच:** कथन 3 गलत है। स्थायी बंदोबस्त मुख्य रूप से बंगाल, बिहार और ओडिशा में लागू था। मद्रास और बॉम्बे प्रेसीडेंसी में मुख्य रूप से रयतवाड़ी प्रणाली लागू की गई थी।

प्रश्न 59. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** टीपू सुल्तान एक आधुनिक सोच वाले शासक थे। उन्होंने जैकोबिन क्लब की सदस्यता ली और 'टी ऑफ लिबर्टी' लगाया। तृतीय युद्ध (1792) में श्रीरंगपट्टनम की संधि हुई, जिसमें उन्हें अपना आधा राज्य खोना पड़ा।

प्रश्न 60. उत्तर: (B)

- **व्याख्या:** 1813 के चार्टर की मुख्य विशेषता शिक्षा के लिए 1 लाख रुपये का आवंटन था।
- **तथ्य जाँच:** विकल्प A गलत है क्योंकि कंपनी का चाय और चीन के साथ व्यापार पर एकाधिकार बना रहा (यह 1833 में खत्म हुआ)। विकल्प C गलत है क्योंकि ईसाई मिशनरियों को अनुमति मिल गई थी। विकल्प D 1833 के एक्ट की विशेषता है।

प्रश्न 61. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** कॉर्नवालिस ने भ्रष्टाचार रोकने के लिए वेतन बढ़ाए और भारतीयों को उच्च पदों से दूर रखा क्योंकि वे उन्हें अविश्वसनीय मानते थे। वेलेजली ने नए अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए 1800 में फोर्ट विलियम कॉलेज खोला।

प्रश्न 62. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** डलहौजी की व्यपगत के सिद्धांत (Doctrine of Lapse) ने उत्तराधिकार के प्राचीन अधिकार को छीन लिया, जिससे झांसी की रानी और अन्य शासक अंग्रेजों के कट्टर दुश्मन बन गए। यह 1857 के राजनीतिक कारणों में सबसे प्रमुख था।

प्रश्न 63. उत्तर: (C)

- **व्याख्या:** कथन 1 और 3 सही हैं।
- **तथ्य जाँच:** कथन 2 गलत है। ब्रह्म समाज मूर्तिपूजा का पूर्ण विरोधी था और उन्होंने वेदों की 'अमोघता' (Infallibility) को भी स्वीकार नहीं किया (वे तर्क को वेदों से ऊपर मानते थे)।

प्रश्न 64. उत्तर: (C)

- **व्याख्या:** केवल तीन युग्म (आर्य समाज, प्रार्थना समाज और अकाली आंदोलन) सही हैं।
- **तथ्य जाँच:** यंग बंगाल आंदोलन (हेनरी विवियन डेरोजियो) 'पुनरुद्धारवादी' नहीं बल्कि अति-सुधारवादी था, जो फ्रांसीसी क्रांति के कट्टर आधुनिक विचारों से प्रेरित था।



Vedanta IAS Academy

India's No.1 Institute For UPSC Exam

प्रश्न 65. उत्तर: (D)

• **व्याख्या:** ये तीनों दक्षिण भारत के महत्वपूर्ण जाति-विरोधी आंदोलन थे। पेरियार का आत्म-सम्मान आंदोलन विशेष रूप से पिछड़ी जातियों के स्वाभिमान को लड़ाई थी।

प्रश्न 66. उत्तर: (A)

• **व्याख्या:** विद्यासागर ने विधवा विवाह को सामाजिक स्वीकृति दिलाने के लिए शास्त्रों का ही सहारा लिया ताकि रूढ़िवादी लोग इसका विरोध न कर सकें। उनके प्रयासों से ही 1856 का विधवा पुनर्विवाह अधिनियम पारित हुआ।

प्रश्न 67. उत्तर: (B)

• **व्याख्या:** कथन 2 और 3 सही हैं।
• **तथ्य जाँच:** कथन 1 गलत है। थियोसोफिकल सोसाइटी की स्थापना 1875 में न्यूयॉर्क (मैडम ब्लावत्स्की और कर्नल ऑलकोट द्वारा) में हुई थी। 1882 में इसका मुख्यालय अड्यार (मद्रास) स्थानांतरित किया गया।

प्रश्न 68. उत्तर: (D)

• **व्याख्या:** इन तीनों कानूनों ने सैनिकों और जनता के बीच यह संदेश फैलाया कि अंग्रेज जानबूझकर हिंदू और मुस्लिम धर्म को भ्रष्ट करना चाहते हैं। सामान्य सेवा भर्ती अधिनियम ने उच्च जाति के ब्राह्मण सैनिकों में विशेष रोष पैदा किया क्योंकि समुद्र पार करना पाप माना जाता था।

प्रश्न 69. उत्तर: (C)

• **व्याख्या:** पहले तीन युग्म सही हैं।
• **तथ्य जाँच:** चौथा युग्म गलत है। फैजाबाद में मौलवी अहमदुल्ला के विद्रोह का दमन कैम्बेले ने किया था। हेनरी लॉरेंस लखनऊ में विद्रोह के दौरान मारे गए थे।

प्रश्न 70. उत्तर: (A)

• **व्याख्या:** 1858 के एक्ट ने 'द्वैध शासन' (BOC और COD) को खत्म कर दिया।
• **तथ्य जाँच:** कथन 3 गलत है। 15 सदस्यीय इंडिया काउंसिल केवल भारतीयों से नहीं बनी थी, बल्कि इसमें ब्रिटिश अधिकारी शामिल थे जो भारत के मामलों के जानकार थे।

प्रश्न 71. उत्तर: (A)

• **व्याख्या:** 1857 के विद्रोह के बाद अंग्रेजों ने महसूस किया कि सेना में एकता उनके लिए खतरा है। 'पील आयोग' (Peel Commission) की सिफारिश पर बंगाल, मद्रास और बॉम्बे प्रेसीडेंसी में यूरोपीय और भारतीय सैनिकों का अनुपात (1:2 और 2:5) तय किया गया। साथ ही, रेजीमेंटों को जाति (सिख, गोरखा, जाट) के आधार पर बांटा गया ताकि उनमें कभी एकता न हो सके।

प्रश्न 72. उत्तर: (A)

• **व्याख्या:** 1 नवंबर, 1858 को लॉर्ड कैनिंग ने इलाहाबाद में महारानी की घोषणा पढ़ी। इसमें राज्यों के विलय (Doctrine of Lapse) को समाप्त करने और धार्मिक हस्तक्षेप न करने का वादा किया गया।
• **तथ्य जाँच:** कथन 3 गलत है। यद्यपि समानता का वादा किया गया था, लेकिन व्यवहार में उच्च पदों पर भारतीयों का प्रवेश बहुत कठिन बना रहा (जैसे आयु सीमा घटाना और परीक्षा केवल लंदन में होना)।

प्रश्न 73. उत्तर: (D)

• **व्याख्या:** नरमपंथियों (जैसे नौरोजी, फिरोजशाह मेहता) ने 'PPP' (Prayer, Petition, Protest) की नीति अपनाई। नौरोजी की पुस्तक 'Poverty and Un-British Rule in India' ने पहली बार आर्थिक शोषण का वैज्ञानिक प्रमाण दिया।

प्रश्न 74. उत्तर: (C)

• **व्याख्या:** 1892 का अधिनियम नरमपंथियों की सबसे बड़ी जीत थी। लॉर्ड डफरिन ने कांग्रेस को 'Seditious Brahmin' और 'Microscopic Minority' कहा था।
• **तथ्य जाँच:** कथन 2 गलत है। सरकार ने सेवाओं का भारतीयकरण करने के बजाय 'बांटो और राज करो' के तहत सांप्रदायिकता को बढ़ावा दिया।

प्रश्न 75. उत्तर: (B)

• **व्याख्या:** कथन 1 और 2 सही हैं। कर्जन की दमनकारी नीतियों और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं (जापान की जीत) ने आत्मविश्वास बढ़ाया।
• **तथ्य जाँच:** कथन 3 गलत है। तिलक और लाल-पाल-बाल 'निष्क्रिय

प्रतिरोध' (बहिष्कार, स्वदेशी) के समर्थक थे, न कि व्यक्तिगत सशस्त्र क्रांति (आतंकवाद) के।

प्रश्न 76. उत्तर: (D)

• **व्याख्या:** स्वदेशी आंदोलन भारत का पहला मास मूवमेंट था। अश्विनी कुमार दत्त की समिति ने इसे ग्रामीण स्तर तक पहुँचाया। टैगोर ने एकता दर्शने के लिए रक्षा बंधन को राजनीतिक उपकरण बनाया।

प्रश्न 77. उत्तर: (A)

• **व्याख्या:** सूरत अधिवेशन (1907) में रासबिहारी घोष की अध्यक्षता को लेकर विवाद हुआ। नरमपंथी केवल बंगाल तक सीमित रहना चाहते थे, जबकि गरमपंथी पूरे भारत में बहिष्कार चाहते थे। इस फूट से राष्ट्रीय आंदोलन कमजोर हुआ।

प्रश्न 78. उत्तर: (D)

• **व्याख्या:** चारों युग्म सही सुमेलित हैं।
• **अभिनव भारत:** सावरकर भाइयों द्वारा (नासिक)।
• **अनुशीलन समिति:** बंगाल की पहली क्रांतिकारी संस्था।
• **गदर पार्टी:** सैन फ्रांसिस्को में स्थापित।
• **मुजफ्फरपुर:** किंग्सफोर्ड की हत्या का प्रयास।

प्रश्न 79. उत्तर: (D)

• **व्याख्या:** यह समझौता 'तिलक' और 'जिन्ना' के प्रयासों का परिणाम था। इसमें कांग्रेस ने लीग की 'पृथक निर्वाचन' की मांग मान ली, जो बाद में पाकिस्तान की नींव बनी। एनी बेसेंट ने नरमपंथियों और गरमपंथियों को मिलाने में मदद की।

प्रश्न 80. उत्तर: (D)

• **व्याख्या:** चारों कथन सही हैं। गांधीजी ने एक वर्ष में आजादी का वादा किया था। 5 फरवरी 1922 को चौरी-चौरा कांड के बाद 12 फरवरी को बारदोली प्रस्ताव द्वारा आंदोलन स्थगित हुआ। तिलक की मृत्यु पर 'तिलक स्वराज फंड' बना था।

प्रश्न 81. उत्तर: (A)

• **व्याख्या:** सभी विकल्प सही मेल खाते हैं। 'सीमांत गांधी' ने खुदाई खिदमतगार (लाल कुर्ती) बनाया। रानी गाइडिनल्यू को 'नगाओं की रानी' की उपाधि नेहरू ने दी थी।

प्रश्न 82. उत्तर: (C)

• **व्याख्या:** कथन 1, 2 और 3 समझौते का हिस्सा थे।
• **तथ्य जाँच:** कथन 4 गलत है। गांधीजी ने भगत सिंह की सजा कम करने का प्रयास किया था, लेकिन इरविन ने इसे स्वीकार नहीं किया। गांधीजी पर अक्सर इस बात के लिए आलोचना की जाती है कि उन्होंने इसे समझौते की अनिवार्य शर्त नहीं बनाया।

प्रश्न 83. उत्तर: (A)

• **व्याख्या:** 'करो या मरो' का नारा दिया गया। सतारा में नाना पाटिल ने सबसे लंबी चलने वाली समानांतर सरकार बनाई।
• **तथ्य जाँच:** कथन 4 गलत है। CPI और मुस्लिम लीग ने भारत छोड़ो आंदोलन का विरोध किया था। CPI ने रूस के युद्ध में शामिल होने के कारण अंग्रेजों का समर्थन किया।

प्रश्न 84. उत्तर: (A)

• **व्याख्या:** 'कम्प्युनल अवार्ड' (Ramsay MacDonald) के विरोध में गांधीजी ने यरवदा जेल में अनशन किया। पुना पैक्ट के तहत दलितों को पृथक निर्वाचक मंडल के बजाय सामान्य सीटों में ही अधिक आरक्षण दिया गया।

प्रश्न 85. उत्तर: (A)

• **व्याख्या:** सही कालक्रम:
1. क्रिप्स मिशन: मार्च 1942
2. राजगोपालाचारी फॉर्मूला: 1944 (लीग और कांग्रेस के बीच समझौता)
3. वेवेल योजना/शिमला: जून 1945
4. कैबिनेट मिशन: मार्च 1946

प्रश्न 86. उत्तर: (C)

• **व्याख्या:** कैबिनेट मिशन ने भारत को तीन समूहों (A, B, C) में बांटने का प्रस्ताव दिया था ताकि प्रांतों को स्वायत्तता मिल सके। इसने अंतरिम सरकार और संविधान सभा की नींव रखी।
• **तथ्य जाँच:** कथन 2 गलत है क्योंकि मिशन ने मुस्लिम लीग की अलग पाकिस्तान की मांग को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया था, क्योंकि



Vedanta IAS Academy

India's No.1 Institute For UPSC Exam

उनका मानना था कि यह रक्षा और संचार की दृष्टि से अव्यवहारिक होगा।

प्रश्न 87. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** चारों युग्म सही सुमेलित हैं।
- **मेयो:** 1872 की पहली जनगणना।
- **लिटन:** कठोर नीतियाँ (वर्नाकुलर प्रेस एक्ट)।
- **रिपन:** उदार नीतियाँ (स्थानीय स्वशासन का जनक)।
- **डफरिन:** कांग्रेस की स्थापना के समय वायसराय।

प्रश्न 88. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** तीनों कथन सही हैं। संधाल विद्रोह ज़मींदारों के खिलाफ था। बिरसा मुंडा ने 'उलगुलान' का आह्वान किया। अल्लुरी सीताराम राजू (रम्पा विद्रोह) पर हाल ही में 'RRR' फिल्म भी बनी थी।

प्रश्न 89. उत्तर: (C)

- **व्याख्या:** तीनों युग्म सही हैं। पाबना (बंगाल) में था, दक्कन दंगे (महाराष्ट्र) साहूकारों के खिलाफ थे, और एका आंदोलन मदारी पासों के नेतृत्व में किसान एकता पर बल देता था।

प्रश्न 90. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** कैबिनेट मिशन का 'ग्रुपिंग' प्रावधान सबसे विवादास्पद था।
- **तथ्य जाँच:** कथन 4 गलत है क्योंकि प्रांतों को यह अधिकार दिया गया था कि वे आम चुनाव के बाद (न कि केवल संविधान निर्माण के बाद) अपने समूह से बाहर निकलने का निर्णय ले सकते थे।

प्रश्न 91. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** * कलकत्ता 1906: पहली बार 'स्वराज' शब्द।
- **सूरत 1907:** कांग्रेस में फूट।
- **हरिपुरा 1938:** बोस की अध्यक्षता और 'नेशनल प्लानिंग कमेटी'।
- **बेलगाम 1924:** गांधीजी का एकमात्र अधिवेशन।

प्रश्न 92. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** डलहौजी ने 'व्यपगत' (Lapse) के अलावा कुशासन (Maladministration) को भी हथियार बनाया। 1856 में अवध का विलय इसी आधार पर हुआ, जिसने 1857 के विद्रोह में अवध के सैनिकों को सबसे उग्र बना दिया।

प्रश्न 93. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** 1919 के एक्ट ने सांप्रदायिक निर्वाचन का विस्तार किया। 1935 के एक्ट ने भारत के वर्तमान संविधान का ढांचा तैयार किया। अगस्त प्रस्ताव द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारतीयों का सहयोग पाने का ब्रिटिश प्रयास था।

प्रश्न 94. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** तीनों युग्म सही हैं। 1920-30 का दशक भारत में समाजवादी और वामपंथी विचारधारा के उभार का काल था।

प्रश्न 95. उत्तर: (D)

- **व्याख्या:** चारों कथन सही हैं। खिलाफत आंदोलन ने असहयोग आंदोलन के लिए जमीन तैयार की और हिंदू-मुस्लिम एकता का एक दुर्लभ उदाहरण पेश किया।

प्रश्न 96. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** कथन 1, 2 और 4 सही हैं।
- **तथ्य जाँच:** कथन 3 गलत है। विजयनगर में 'कदमई' एक सामान्य भू-राजस्व या कर था। विवाह कर को सामान्यतः 'कल्याण कुरु' (Kalyana-kanike) जैसा कुछ कहा जाता था, और दिलचस्प बात यह है कि कृष्णदेव राय ने बाद में विवाह कर को समाप्त कर दिया था।

प्रश्न 97. उत्तर: (C)

- **व्याख्या:** कृष्णदेव राय स्वयं एक महान विद्वान थे। विजयनगर के मंदिरों में 'अम्मन विमाना' (मुख्य मंदिर के पास देवी का मंदिर) और अलंकृत 'कल्याण मंडप' (विवाह हेतु हॉल) मुख्य विशेषताएँ थीं। बहमनी के पांचों उत्तराधिकारी राज्यों ने 'तालीकोटा' (1565) में विजयनगर का अंत किया।

प्रश्न 98. उत्तर: (C)

- **व्याख्या:** कथन 1 और 3 सही हैं। सत्येंद्र सिन्हा वायसराय की परिषद में शामिल होने वाले पहले भारतीय थे।
- **तथ्य जाँच:** कथन 2 गलत है क्योंकि 'नाग के दांत' वाला प्रसिद्ध कथन लॉर्ड मॉले ने मिंटो को लिखा था (न कि मिंटो ने खुद से कहा था), हालांकि दोनों की सहमति इसमें थी।

प्रश्न 99. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** तिलक और एनी बेसेंट ने आपसी समझ से अपने क्षेत्र बांटे थे ताकि टकराव न हो। तिलक की लीग अधिक अनुशासित थी।
- **तथ्य जाँच:** कथन 3 और 4 गलत हैं। एंग्लो-इंडियंस और बहुसंख्यक मुसलमानों ने इस आंदोलन से दूरी बनाए रखी थी। एंग्लो-रशियन कन्वेंशन का इससे कोई सीधा वैचारिक संबंध नहीं था।

प्रश्न 100. उत्तर: (A)

- **व्याख्या:** 1909 के सुधारों ने 'पृथक निर्वाचक मंडल' देकर मुसलमानों को शेष राष्ट्र से अलग राजनीतिक पहचान दी, जिससे अलगाववाद की भावना पनपी। यह कथन (Assertion) और कारण (Reason) दोनों सही हैं और कारण कथन की पुष्टि करता है।